PG/IVS/HIN-401/15

M.A. 4th Semester Examination, 2015

HINDI

PAPER – HIN-401

Full Marks : 40

Time : 2 hours

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं *दो* की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8 × 2

(क) काम काम को सिखलाता है, चार-पाँच घण्टे मेरे साथ काम करते साथी को भी ढंग मालूम हो गया, आखिर मैं भी तो यही काम और उसके तजरबे को सीख रहा था। गाँव में पहुँच कर मैंने लोगों को नाव पर चढ़ने के लिए कहा।

(*ख*) भला ऐसे अन्धेर हो सकता है ! जहाँ मालिक वहाँ नौकर-मालिक को लेजाकर बंद कर देने से इतना अन्याय नहीं, पर नौकर को अकेले मुक्त छोड़ देने में पहाड़ के बराबर अन्याय है ।

(*ग*) सिर चकराता है और सिर के अन्दर 'वैकुअम' जैसा लगता है । आँखों के आगे सरसों के फूल नजर आते हैं । डॉक्टरों ने कोई सिरियस रोग बताया है जिसका सम्बन्ध-नाक तथा आँख के जरिये-दिमाग से है .... भगवान उनको चंगा करें ।

(*घ*) लोक के प्रति करुणा जब सफल हो जाती है, लोक जब पीड़ा और विघ्नबाधा से मुक्त हो जाता है, तब रामराज्य में जाकर लोक के प्रति प्रेम-प्रवर्तन का, प्रजा के रंजन का, उसके अधिकाधिक सुख के विधान का, अवकाश मिलता है ।

2. किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 12×2

(*क*) 'रेखाचित्र' की विशेषताओं के आधार पर 'चीनी फेरीवाला' की समीक्षा कीजिए ।

(*ख*) 'यात्रा के लिए निकलती है बुद्धि पर हृदय को साथ लेकर' — 'क्रोध' निबन्ध के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

(*ग*) " 'ऋणजल धनजल' में व्यापक मानवीय पीड़ाबोध की अकथ कथा का वर्णन है ।" —प्रमाणित कीजिए ।

(*घ*) पठित निबन्धों के आधार पर हरिशंकर परसाई के व्यंग्य-वैभव का मूल्यांकन कीजिए ।